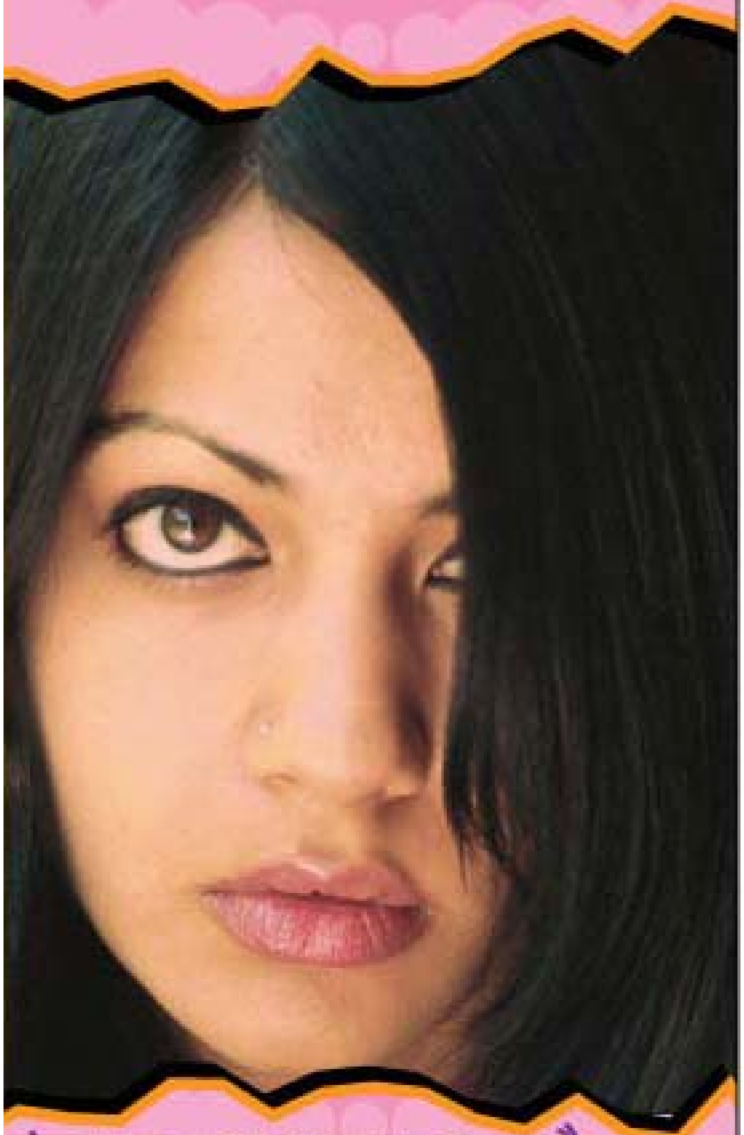

मेरा एक अपना अन्दाज़ है
मेरी अपनी एक सोच है

उनमें नशीली चीज़ों के
लिए कोई जगह नहीं

यह मेरा फैसला

नशे तरह–तरह के

नशा क्या है?

कोई भी नशीला पदार्थ आपके दृष्टिकोण, मूड, संज्ञान को बदलता है उसे नशा कहते हैं। अच्छा महसूस करने के लिए या बुरा महसूस न हो इसके लिए बार–बार नशा करना पड़े तो यह नशे पर निर्भरता का लक्षण है। बार–बार इसके सेवन से इसका असर शरीर पर कम होने लगता है और पहले जितना ही मज़ा पाने के लिए ज़्यादा नशे की ज़रूरत पड़ती है। नशीले पदार्थों के उपलब्ध न होने से जो शरीर में तड़प या तकलीफ होती है वही नशाखोरी करने वालों का लक्षण है।

हेरोइन

स्मैक, ब्राउनशूगर, थाई व्हाइट, पुड़िया, सामान, गर्द।

Injectible Heroin

यह

- एक प्रभावशाली, लतवाली अवसादक है।
- आमतौर पर मनोस्फूर्ति बढ़ाने वाले द्रव्यों यानी बेनज़ोडाइज़ेपाइन, बारबिट्यूरेट्स, मेथाक्वालोन और कैफेन का मिश्रण होता है।

क्यों

- इससे तनाव, घबराहट और उदासी दूर होती महसूस होती है।
- इससे सुखाभास, अपनापन, संतुष्टि, भावनात्मक और शारीरिक तकलीफों से अलगाव महसूस होता है।

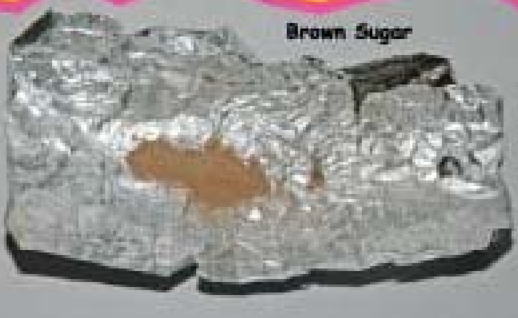

Brown Sugar

कैसे

- हेरोइन सड़कों, गलियों में प्रति ग्राम 200–300 रुपए में बिकती है। यानी एक चौथाई 40–50 रुपए में। इसे सूंघकर लेते हैं या सुई लगाते हैं।
- औसतन एक बार में एक ग्राम लिया जाता है।
- शुरुआती सुखाभास 10–15 मिनट का होता है और पूरा असर छह से दस घंटों तक रहता है।
- हर बार वही मजा पाने के लिए ज्यादा मात्रा में हेरोइन चाहिए होती है।

इससे क्या होता है–

- इसके नहीं मिलने से चक्कर आते हैं, उल्टियां होती हैं, पसीना आता है, नाक बहती है, आंखों से काफी पानी आता है, शरीर में कंपन महसूस होता है, नींद नहीं आती है, मांसपेशियों में खिंचाव होता है और पूरे शरीर में दर्द होता है।
- नशे के आदी व्यक्ति का जीवन दूसरों से पैसे मांगने, नशा खरीदने और उसके सेवन के चक्रव्यूह में फंस जाता है।
- चक्कर आते हैं, एकाग्रता नष्ट हो जाती है, यौन–संबंधों में रूचि खत्म हो जाती है।
- ज्यादा मात्रा में नशा करने से सांस लेने में तकलीफ होती है जिससे मौत भी हो जाती है।
- अगर संक्रमित सुई का उपयोग नशे के लिए किया जाए तो ,एचआईवीद्ध जैसे संक्रमण से होने वाली बीमारियां हो सकती हैं।
- भूख की कमी से, काफी वजन घट जाता है।

कोकेन और क्रैक

ब्लो, कोक,
स्नो ;कोकेनद्ध,
रोक्स ;क्रैकद्ध, चार्ली।

यह

- यह प्रभावशाली नशीला पदार्थ है।
- कोकेन सफेद पाउडर है जोकि 2500–3000 प्रति ग्राम की दर पर बिकता है। क्रैक ऐसा कोकेन है जिसमें अमोनिया या बेकिंग सोडा मिलाया जाता है। ताकि उससे धूम्रपान किया जा सके। क्रैक छोटे–छोटे पत्थरनुमा दिखता है।
- इनका सेवन गहरी उत्तेजना पैदा करता है जिसका असर 15–20 मिनटों तक रहता है।

कैसे

- सूंघना या सांसों में खींचना–इससे नाक के टिश्यू के द्वारा सोखने के बाद यह रक्त में शामिल हो जाता है।
- सुईयों के द्वारा सीधे रक्त में शामिल हो जाता है।

- धूम्रपान से इसका धुंआ फेफड़े में जाता है फिर रक्त में शामिल हो जाता है।
- कोकेन से उत्तेजना कुछ मिनटों के लिए या कभी घंटों के लिए उत्पन्न होती है।

क्यों

- इससे व्यक्ति को भ्रम होता है कि वह जीवंत है, सुखी है, बेहद आत्मविश्वास से लिप्त है और सब कुछ उसकी मुट्ठी में है।

यह क्या करता है–

- पहली बार नशे का इस्तेमाल किसी भी तरह करें आप इसपर कितने निर्भर हैं यह स्तर पता कर पाना मुश्किल होता है पर व्यक्ति मनोवैज्ञानिक रूप से इसका आदी हो जाता है।
- नशे में व्यक्ति कभी हिंसक हो जाता है, कभी उसका व्यवहार अजीब–सा होता है। वह झुंझलाया–सा रहता है। उसके स्वभाव व मूड में बदलाव आते रहते हैं। वह घबराहट महसूस करता है और वास्तविकता से दूर भागता है।
- कोकेन के अक्सर इस्तेमाल करने से हृदयगति रूकने की संभावनाएं होती हैं। सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लकवा, घबराहट, बेचैनी जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।
- कोकेन या क्रैक को दूसरी नशीले पदार्थों से मिश्रित कर लेने से खतरा बढ़ जाता है और मौत भी हो सकती है।
- नशा उतरने के बाद इसे लेनेवालों का अनुभव अच्छा नहीं होता। शारीरिक तौर पर वे थके हुए और कमज़ोर महसूस करते हैं और मनोवैज्ञानिक तौर पर वह झुंझलाया हुए रहते हैं। उसे नशे की तड़प महसूस होती रहती है।

मिश्रित नशा

एक्सटेसी, एक्स टी सी, एडम, ई, स्पीड, एसिड, एलएसडी, रूफी, जीएचबी, रोश आईस, के ;केटामिनढ़, मेथ या मेथामफेटामाइन

यह

यह पूरे रात्रि की नृत्य पार्टियों में उपयोग में लाई जाती है। इन पार्टियों को रेव या ट्रान्स पार्टियां कहते हैं जोकि डान्स क्लबों या बारों में होती हैं।

क्यों

- मूड को अच्छा बनाने या रातभर नाचने के लिए शक्ति प्रदान करने के लिए इसका सेवन होता है।
- क्योंकि कुछ नशीले पदार्थ रंगविहीन, स्वादहीन और गंधहीन होते हैं इसलिए पेयपदार्थों में आसानी से मिलाए जा सकते हैं। अक्सर इसके बाद यौन संबंध संबंधित दुर्घटनाएं होती हैं और इसलिए इसे 'डेट रेप ड्रग्स' कहते हैं।
- एक्सटेसी गोलियां 500–1,000 रुपए की दर से मिलती हैं।

यह क्या करता है

- एक्सटेसी के सेवन से बेहद शांति महसूस होती है, लगता है दुनिया सुख में आत्मसात हो गयी है। लेकिन अभी तक इस नशे का दूरगामी परिणाम मालूम नहीं चल पाया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है और आगे चलकर याददाश्त खो जाती है, जबकि शुरुआत में शरीर में पानी की कमी और गर्मी अधिक हो जाती है।
- इससे व्यक्ति वास्तविकता से दूर हो जाता है, उसके दांत किटकिटाते हैं और वह उत्तेजित की स्थिति में रहता है।
- गामा-हाइड्रोक्सीब्यूटिरेट (जीएचबी) से आसक्त होने की संभावनाएं होती हैं।
- 'स्पीड', 'आइस', 'मेथ', 'क्रिस्टल' (मेथामफेटामाइन्स) से शरीर और स्वभाव में आक्रामकता, हिंसक प्रवृत्ति, घबराहट और हृदय संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं।
- लिसर्जिक एसिड डाइएथेलामाइड (एलएसडी) या 'एसिड' एक प्रभावशाली और मस्तिष्क पर असर डालने वाला पदार्थ (हेल्युसिनोजेन्स) है जिससे व्यक्ति वास्तविकता से दूर हो जाता है। इसका अनुभव अनायास होता है। सालों बाद तक पुरानी बातें याद आती हैं। इसका एक बार उपयोग करने पर भी दूरगामी मनोवैज्ञानिक असर रहता है।
- 'रूफी' या 'रोश' (रोहिप्नोल) आमतौर पर शराब के साथ उपयोग में लाया जाता है। इससे अंदर की झिझक खत्म होती है। अक्सर पुरानी बातें या गम को भुलाने के लिए लोग इसका उपयोग करते हैं।

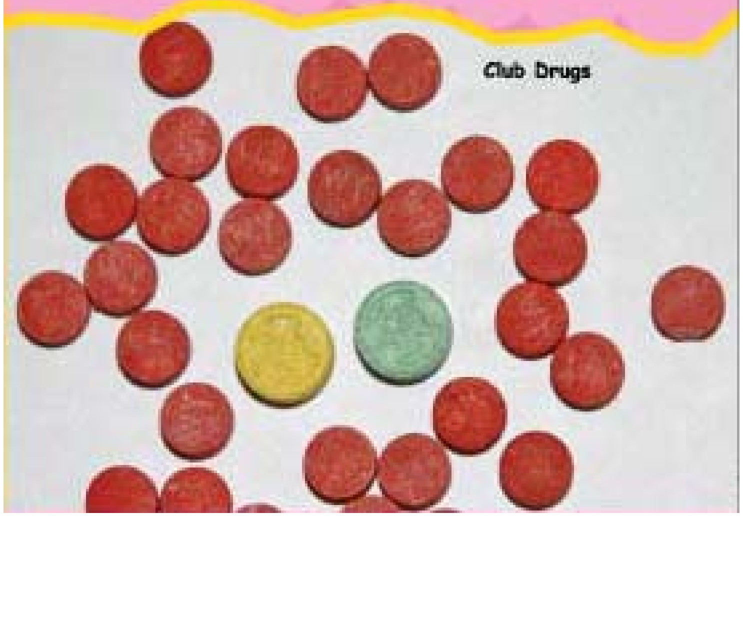

कैनाबिस / मैरियुआना / गांजा

कैनाबिस,
मारियुआना, ग्रास,
भांग, चरस,
गांजा, वीड,
ज्वाइंट, हश।

यह

- हल्के स्तर का नशा, यानी हेल्यूसिनोजेन और अवसादक है।
- स्कूली छात्रों में शराब के बाद यह सबसे प्रचलित नशा है।

लोग कहते हैः–

- कभी–कभी इसके उपयोग से लत नहीं लगती है।

लेकिन

- हमारे देश में नशे के लिए इलाज को आए अधिकांश लोग इसी लत के आदी होते हैं।
- लोग इसके बाद और गंभीर नशे के प्रयोग के इच्छुक हो जाते हैं।

क्यों

- इससे अच्छा, सुखी, उत्तेजित और सुकून महसूस होता है।
- हमारी जो इंद्रियां है–देखने की, सूंघने की, स्वाद लेने और सुनने की–पहले चीजों को हल्का–हल्का महसूस करती हैं, पर इसके अक्सर सेवन से यह असर खत्म हो जाता है।

कैसे

- कैनाबिस 15 से 20 रुपए की दर से बिकती है। इसे सिगरेट में डालकर पिया जाता है, मिट्टी के पाइप या फिर टूटी हुई बोतल की पतली नली में डालकर पीते हैं। इस पदार्थ की कीमत गुणवत्ता और स्वरूप के हिसाब से प्रति 10 ग्राम 200 से 800 रुपए तक होती है।
- भांग पत्ता होता है जिसे पीसकर पेय पदार्थों में मिलाया जाता है। इसे हम 'ठंडाई' कहते हैं या फिर इसे मिठाई या पकौड़े में मिलाकर खाते हैं।

इससे

- दूसरों पर निर्भरता बढ़ती है।
- त्वरित रूप से कुछ वक्त के लिए याददाश्त खो जाती है, एकाग्रता कम हो जाती है, पढ़ाई का स्तर–घट जाता है, व्यक्ति जल्दी याद नहीं कर पाता।
- पुरुषों में नपुंसकता बढ़ती है।
- हृदय की गतिविधियों पर असर पड़ता है।
- ज्यादा वक्त तक इसके सेवन से मानसिक रोग भी हो सकते हैं।
- सांस लेने में तकलीफ होती है।
- भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक विकास धीमा हो जाता है।
- कैनाबिस में कैंसर उत्पन्न करने वाले तत्व तंबाकू के सिगरेट से ज्यादा होते हैं। शराब 24 घंटों में शरीर से बाहर हो जाती है, पर कैनाबिस का असर सेवन के बाद 30 दिनों तक रहता है।

दवाईयों का मिश्रण

कुछ कानूनी दवाईयां भी नशा उत्पन्न कर सकती हैं अगर इसे डाक्टरी पर्चियों के निर्देश के बगैर ज्यादा मात्रा में लिया जाए। आमतौर पर तैयार मिश्रण हैं:–

- कफ सिरप जिसमें कोडिन हो जैसे कि फेनसेडिल और कोरेक्स।
- नींद की गोलियां जिनमें डाइज़ेपाम हो जैसे कि (कॉमपोज और वैलियम) या अल्प्राजोलीम जैसेकि अल्प्रेक्स या नाइट्राज़ेपाम जैसे कि (निट्रावेट) ।
- दर्द निवारक दवाईयां जिनमें डैक्स्ट्रोप्रोपोक्सीफिन हो जैसे कि (प्रोक्सिवोन और स्पॉज्मोप्रोक्सिवान) और बुप्रेनोरफिन।
- सूईयां जैसे कि (टाइडीजेसिक, नौरफिन, नौरफेज़ाइन, और एविल)।

(नोटः दवाईयों के ट्रेड नाम बताने का अर्थ आलोचनात्मक संदर्भ में नहीं है)

यह

- प्रभावशाली, नशीला अवसादक है।
- कई बार ये दवाईयां गैरकानूनी रूप से बनती हैं इसलिए नकली होती हैं।

क्यों

- इससे बेहद शांति, संतुष्टि, आत्मविश्वास से भरपूर होने का आभास होता है।
- इससे तनाव, घबराहट, दर्द, नींद की कमी, और अवसाद घटता है।
- इससे अपनापन, संतुष्टि, भावनात्मक और शारीरिक तकलीफों से अलगाव महसूस होता है।

कैसे

- यह गोलियों, कैप्सूल, सुइयों की दवा या सिरप के रूप में मिलती हैं।
- आमतौर पर यह कैमिस्ट की दुकान से बगैर डाक्टर की पर्चियों के खरीदी जाती हैं या फिर कालाबाज़ार विक्रेताओं से। ऐसी परिस्थितियों में ये असली कीमत से कई गुणा ज्यादा कीमत पर बेची जाती हैं और नकली भी हो सकती हैं।
- नशा पैदा करने के लिए ये दवाईयां आमतौर पर काफी अधिक मात्रा में ली जाती हैं।

इससे

- इसके न मिलने से चक्कर आना, उल्टियां आना, पसीना आना, नाक बहना, आंखों से ज्यादा पानी आना, कंपकपी होना, नींद न आना, मांसपेशियों में खिंचाव होना, शरीर में दर्द और ऐंठन होना स्वाभाविक से लक्षण हैं।
- कुछ मामलों में तो तड़पन बेहोशी के दौरे में तब्दील होने लगती है, या फिर मौत भी हो जाती है।
- अत्यन्त मात्रा में नशा लेने से मौत भी हो जाती है।
- अधिक मात्रा में नशा लेने से कई बार जिगर को नुकसान पहुंचता है जिससे पीलिया हो जाता है या फिर मस्तिष्क को नुकसान होता है। इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ से मौत भी हो जाती है।
- सुई लगाने से कई बार नसों को नुकसान पहुंचता है और घाव हो जाता है।

शराब

कॉकटेल्स, दारू, शराब।

यह

- एक अवसादक है जोकि केंद्रीय तंत्रिका तंत्र ;नर्वस सिस्टमद्ध और दिमाग की गतिविधियों को घटा देती है।

क्यों

- अभिभावकों का शराब पीना और मित्रों के दबाव में युवा वर्ग शराब ले लेते हैं।

- विज्ञापनों में शराब पीना 'कूल' माना जाता है।
- मान्यताएं हैं कि शराब पीने से समस्याएं हल हो जाती हैं और सुकून महसूस होता है।

इससे

- इसके उपरान्त असुरक्षित यौन संबंधों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही यौन संबंधी बीमारियों और एचआईवी का खतरा बढ़ता है।
- छोटी उम्र में शराब की लत मस्तिष्क के विकास के दिनों में गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है और लत बढ़ सकती है।
- हमारे देश में शराब की लत की वजह से सबसे अधिक घरेलू हिंसा होती है और सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।
- शराब से जिगर को नुकसान पहुंचता है। जिगर की बीमारी से मौत की यह सबसे बड़ी वजह है।
- नपुंसकता बढ़ती है।
- गर्भावस्था में महिलाएं अगर शराब पीती हैं तो बच्चे पर भी इसका बुरा असर होता है।
- इसके आदी होने पर, इसके उपलब्ध नहीं होने से नींद की कमी हो जाती है, कंपकंपी होती है और कुछ मामलों में बेहोशी, मानसिक बीमारी व मौत भी हो सकती है।

तंबाकू

- काफी नशीला होता है।
- आसानी से उपलब्ध होने की वजह से युवा वर्ग इसकी तरफ आकर्षित होते हैं।
- युवा अपने दोस्तों के दबाव से या अभिभावकों की नकल करने के लिए सिगरेट पीते हैं।

क्या यह सच है कि पेट्रोल सूंघना या पुताई की सफेदी भी नशीली है?

हां! ऐसे कई पदार्थ हमारे आस-पास हैं जिसे सूंघकर नशा होता है। जैसे टाइपिस्ट के पास सुधारने के लिए 'व्हाइटनर' होता है, पेट्रोल, सफाई के 'फिनाइल' जैसे तरल पदार्थ, नेल पॉलिश रिमूवर, और गोंद, इन सबमें ऐसे तत्व मौजूद हैं जिसे सूंघने से व्यक्ति को नशे का आभास होता है और उसे इसकी लत लग सकती है।

इसका दूरगामी परिणाम है कि यह मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है।

नशा और संबंधित कानून

1. अगर मेरा बच्चा नशा करते पकड़ा गया तो क्या उसे सज़ा होगी?

हां! नशीले पदार्थों को रखना भी अपने आप में एन डी पी एस एक्ट्स नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोटोपिक सब्सटेन्स एक्ट के तहत अपराध है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह निजी उपयोग के लिए है या कोई और मकसद के लिए। आपके पास कितने ग्राम नशीला पदार्थ है इस पर सज़ा निर्भर करती है।

लेकिन, नशा करनेवाला अगर नशीले पदार्थ के साथ पकड़ा जाए या उपयोग करता पकड़ा जाए और वह स्वेच्छा से डाक्टरी इलाज के लिए तैयार हो व नशा – मुक्ति केन्द्र जाना चाहे तो उस पर केस नहीं चलता है। आपके नशा मुक्ति इलाज पूरा होते ही आपको कोर्ट से मिली छूट समाप्त कर दी जाएगी।

2. अगर मेरा बच्चा अपने लिए और दोस्तों के लिए पार्टी में नशीला पदार्थ लेकर जा रहा है और अगर पकड़ा जाता है तो क्या होगा ?

अगर इस नशीले पदार्थ की मात्रा 'कम' है तो उसी के मुताबिक सज़ा होगी। तमाम मात्राओं के लिए जो जुर्माना और सज़ा है। वह निम्नलिखित है:–

कम मात्रा	छह महीने तक की जेल की सज़ा या 10,000रुपए तक का जुर्माना या दोनों
कम मात्रा से अधिक लेकिन व्यावसायिक मात्रा से कम	दस वर्ष तक की जेल की सज़ा व एक लाख तक का जुर्माना
व्यावसायिक मात्रा	दस से बीस वर्ष तक की जेल की सज़ा व एक से दो लाख तक का जुर्माना

कितने ग्राम नशीले पदार्थ को कम या व्यावसायिक मात्रा कहा जाएगा?

मात्राएं नशीले पदार्थ के हिसाब से अलग–अलग है और सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है।

नशीला पदार्थ	कम मात्रा*	व्यावसायिक मात्रा**
हेरोइन	5 ग्राम	250 ग्राम
कोकेन	2 ग्राम	100 ग्राम
हशश / चरस	100 ग्राम	1 किलोग्राम
अफीम	25 ग्राम	2 दशमलव 5 किलोग्राम
गांजा	1 किलोग्राम	20 किलोग्राम

*निर्धारित सीमा से कम मात्रा "कम मात्रा" है।
**निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा व्यावसायिक मात्रा है।

4. क्या मेरे बच्चे की छोटी उम्र का ख्याल कानून के तहत रखा जाएगा?

हां! अगर वह 18 वर्ष से छोटा है तो उसे किसी भी जुर्म के लिए जिसमें एनडीपीएस एक्ट भी शामिल है, जुवेनाइल जस्टिस ;केयर एंड प्रोटेक्शनद्ध एक्ट ;जेजेएद्ध के तहत सजा दी जाएगी।

5. मैं एक नशीले पदार्थ बेचने वाले को जानता हूं। मैं इस बारे में कहां रिपोर्ट दर्ज करवाऊं?

अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में ।

6. क्या किसी उम्र में आप कानूनी रूप से इन नशीले पदार्थों का सेवन कर सकते हैं?

इन नशीले पदार्थों का सेवन आप शराब या सिगरेट की तरह नहीं कर सकते हैं। यह हर उम्र में गैर–कानूनी है।

7. क्या किसी भी मात्रा में खासकर थोड़ा हम कानूनी तौर पर रख सकते हैं?

- नहीं! किसी भी तरह के नशीले पदार्थ रखना गैर कानूनी है चाहे वह कम मात्रा में हो या अधिक मात्रा में।
- डाइज़ेपॉम, बुप्रेनॉरफिन, प्रॉक्सीवॉन, आदि दवाईयों का डाक्टरी उपयोग है। डॉक्टरी सलाह से उनके पर्ची पर लिखने के बाद आप इसका उपयोग कर सकते हैं।

8. अगर मेरे पास निर्धारित "कम मात्रा" से भी कम मात्रा में नशीला पदार्थ है, तो क्या यह भी गलत है?

आप किसी भी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर रखें, चाहे वह कितना भी कम हो, आपको कानून के मुताबिक सजा होगी।

9. इन परिस्थितियों में कौन सजा का हकदार होगा?

- मेरे सभी मित्र मेरे परिसर में नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं और हम सभी व्यस्क हैं?

अगर आपने जानबूझकर नशीले पदार्थों के सेवन के लिए अपना परिसर उपलब्ध कराया है तो आपको भी सजा होगी पर आपकी अनभिज्ञता में यह सब हो रहा है तब आप पर आंच नहीं आएगी।

- हम सभी 18 वर्ष से छोटे हैं: मेरे दोस्त मेरे परिसर में नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। ऐसे मामले में, क्या मेरे अभिभावकों को इसका जिम्मेदार ठहराया जाएगा?

अगर आप व्यस्क नहीं हैं और परिसर आपके अभिभावकों के नाम पर है। अगर वे जानबूझकर आपके दोस्तों को नशीले पदार्थों के सेवन के लिए इसका उपयोग करने देते हैं तो उन्हें सजा हो सकती है। आप सब व्यस्क नहीं हैं इसलिए ;जेजेएद्ध एक्ट के तहत निगरानी होम ;सुधार गृहद्ध भेजा जाएगा। आप जेल नहीं भेजे जाएंगे, पर आपके अभिभावक जोकि व्यस्क हैं, उन्हें सजा मिलेगी, अगर वे अपने परिसर में नशीले पदार्थों का सेवन होने देते हैं।

बेहतर है कि सजग रहे और किसी को अपनी परिसर के दायरे में नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने दें।

Helplines

Society for Promotion of Youth and Masses
SPYM Centre, 111/9,
Opp. Sector B-4, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel.(011) 2689 3872, Fax: (011) 2689 6229
spym@vsnl.com
www.spym.org

Calcutta Samaritans
48-Ripon St., Calcutta-16
Tel.033-2295920. 0332299731, Fax 033-2178097
rrtceast2@nisd.gov.in
calsam@satyam.net.in

Vivekananda Education Society
13/3, Kalicharan Dutta Road, Calcutta-61
Tel: 033-24680365, 033-24573163, 033-4681550
Fax: 033-24680364
east1@nisd.gov.in
www.vescal.org

Muktangan Mitra
Krishna Patrakar Nagar
Pune 411053, Maharashtra
Tel: 020-25659407, Fax: 020-25659407
Email: muktangan@vsnl.net
www.muktangan.org

T T Ranganathan Clinical Research Foundation
17, IV Main Rd., Indira Nagar, Chennai -20
Tel : 044-4912948, 044-4918461, Fax: 044-8117150
ttrcrf@md2.vsnl.net.in

Galaxy Club
Singjamei Mathak Chongtham Leikai,
Imphal West District,
P.O.-Imphal, Manipur,
Pin-795001
Tel :0385-2227574, 0385- 2445486
Fax :0385-2445486/2222936
rrtcnortheast1@nisd.gov.in

Kripa Foundation
D Block, Near Catholic Publication Centre,
Kohima-797001, Nagaland
Tel:0370-225199, Fax: 0370242224
E,mail: kripanld@rediffmail.com

Mizoram Social Defense & Rehabilitation Board
Chaltlan, Aizawl, Mizoram
Tel: 0389-349320, 0389-349321
Fax No: 0389-340923
rrtcnortheast3@nisd.gov.in

Childline 1098
www.unodc.org/india/index.html

Ministry of
Social Justice
& Empowerment

UNITED NATIONS
Office on Drugs and Crime